Our Invited Dignitaries
KRAMAJIT SINGH SANATAN DHARMA COLLEGE, KANPUR
ORIENTATION PROGRAMME
B.A., B.P.Ed., M.P.Ed.
Theme : The Power of Positive Change : Be the Solution Not the Noise
11:00AM Venue: PrayerHall, V.S.S.D.College, Kanpur
ORIENTATION PROGRAMME
Welcome

वी.एस.एस.डी. कॉलेज में नवप्रवेशी छात्रों के लिए दीक्षांरम्भ कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न

"पॉवर ऑफ पॉजिटिव चेंज: बी द सॉल्यूशन नॉट द न्यूज़" थीम पर प्रेरक उद्बोधन

कानपुर, 28 जुलाई (संवाददाता)। वी.एस.एस.डी. कॉलेज, कानपुर में आज दिनांक 28-07-2026 को महाविद्यालय प्रबंध समिति की सचिव सीए नीतू सिंह जी के प्रेरणा स्वरूप, बी.ए., बी.पी.एड तथा एम.पी.एड के नवप्रवेशी छात्रों का दीक्षारंम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो नीरू टंडन जी ने किया। मुख्य वक्ता एवं अतिथि डॉ कविशा खुराना विज (निदेशक, दी चिंटल्स स्कूल) एवं श्री अरुणेंन्द्र सोनी जी (सीईओ यूसीआई डिजिटल) रहे।

प्राचार्य का प्रेरक संबोधन

प्राचार्य प्रो नीरू टंडन जी ने नवप्रवेशी छात्रों को अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के 105 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को बताते हुए, उनके द्वारा इस महाविद्यालय में प्रवेश हेतु चयनित करने पर बधाई दी और अपने छात्र जीवन का उदाहरण देते हुए छात्रों को उत्साहित किया।

डॉ कविशा खुराना विज का उद्बोधन

मुख्य वक्ता डॉ कविशा खुराना विज जी ने, अपने इस महाविद्यालय में छात्र जीवन का उदाहरण देते हुए, बताया कि किस प्रकार आज-कल छात्र ए आई जैसे टूल पर निर्भर होते जा रहे हैं, एवं संस्कार को भूलते जा रहे, उन्होंने राम, रावण का उदाहरण देते हुए कहा कि किस प्रकार अच्छा चरित्र और संस्कार के कारण अपने से अधिक ज्ञानी, शक्तिशाली एवं समृद्ध पर भी विजय प्राप्त किया जा सकता । संस्कार परिवार, गुरू एवं कॉलेज में ही सीख सकते हैं।

अरूणेंद्र सोनी जी का सन्देश

वक्ता अरूणेंन्द्र सोनी जी ने अपने उद्बोधन में नवप्रवेशी छात्रों को "पावर ऑफ पॉजिटिव चेंज: बी दी सॉल्यूशन नॉट द न्यूज" को व्याख्या करते हुए उदाहरण देकर समझाया, छात्रों के नियमित कॉलेज ना आने से विकास तथा संस्कार पर पड़ने वाले असर से अवगत कराया।

अन्य वक्ताओं के विचार

- विभागाध्यक्ष एवं डीन डॉ विपेन्द्र सिंह परमार ने शारीरिक शिक्षा, बी.पी.एड, एम.पी.एड की उपलब्धियों, छात्रों के चयन तथा महाविद्यालय में सुविधाओं से छात्रों को अवगत कराया।
- कला संकाय के प्रो इन्द्र मणी जी ने, कला संकाय में प्रवेशित छात्रों को महाविद्यालय के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार

मंच संचालन प्रो राकेश शुक्ला जी ने किया। आते हुए अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए निदेशक स्ववित्त पोषित विभाग, डॉ अंशु सिंह सेंगर जी ने नवप्रवेशी छात्रों को महाविद्यालय की प्राचार्या एवं मुख्य वक्ता डॉ कविशा खुराना विज जी के इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र से आज की उपलब्धियों तक के सफर का उदाहरण देते हुए प्रोत्साहित किया।

उपस्थित गणमान्य लोग

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो मनुमंत द्विवेदी, प्रो प्रधान, प्रो प्रत्यूष, डॉ अमिताभ तिवारी, डॉ राहुल त्रिवेदी, प्रो महेश चन्द्र झा, डॉ अनिल द्विवेदी, डॉ देवेश शुक्ल, डॉ शशी रानी पाल, डॉ हिमांशु तिवारी, डॉ राघवेंन्द्र सिंह, डॉ साधना रानी, प्रो शोभा मिश्रा, सभी विभागों के अध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

वी एस एस डी कॉलेज।बी ए, बी पी एड,एम पी एड नवप्रवेशी दीक्षारम्भ।

दैनिक निष्पक्ष पोस्ट | डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

कानपुरवी एस एस डी कालेज कानपुर में महाविद्यालय प्रबंध समिति की सचिव सीए नीतू सिंह जी के प्रेरणा स्वरूप,बी ए, बी पी एड तथा एम पी एड के नवप्रवेशी छात्रों का दीक्षारम्भ कार्यक्रम हुआ।अध्यक्षता प्राचार्य प्रो नीरू टंडन जी ने किया।मुख्य वक्ता एवं अतिथि डॉ कविशा खुराना विज (निदेशक, दी चिन्टल्स स्कूल) एवं श्री अरुणेंद्र सोनी जी (सीईओ यूसीआई डिजिटल) रहे।प्राचार्य प्रो नीरू टंडन ने नवप्रवेशी छात्रों को अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की 105 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को बताते हुए, उनके द्वारा इस महाविद्यालय में प्रवेश हेतु चयनित करने पर बधाई दी, अपने छात्र जीवन का उदाहरण देते हुए छात्रों को उत्साहित किया। मुख्य वक्ता डॉ कविशा खुराना विज जी ने, अपने इस महाविद्यालय में छात्र जीवन का उदाहरण देते हुए, बताया कि किस प्रकार आज-कल छात्र ए आई जैसे टूल पर निर्भर होते जा रहे हैं, एवं संस्कार को भूलते जा रहे, उन्होंने राम, रावण का उदाहरण देते हुए कहा किस प्रकार अच्छा चरित्र और संस्कार के कारण अपने से अधिक ज्ञानी, शक्तिशाली एवं समृद्ध पर भी विजय प्राप्त किया जा सकता है। संस्कार परिवार, गुरु एवं कालेज में ही सीख सकते हैं। वक्ता अरुणेंद्र सोनी जी ने अपने उद्बोधन में नवप्रवेशी छात्रों को "पावर औफ पौजिटिव चेंज: बी दी सोल्यूशन नौट द नौइज" को व्याख्या करते हुए उदाहरण देकर समझाया, छात्रों के नियमित कालेज ना आने से विकास तथा संस्कार पर पड़ने वाले असर से अवगत कराया।

विभागाध्यक्ष एवं डीन डॉ विपेन्द्र सिंह परमार ने शारीरिक शिक्षा, बीपीएड, एमपीएड की उपलब्धिया बताई।कला संकाय के प्रो इन्द्र मणि जी ने, कला संकाय में प्रवेशित छात्रों को महाविद्यालय के पूर्व छात्रों की उपलब्धियों से अवगत कराया। मंच संचालन प्रो राकेश शुक्ला जी ने किया। निदेशक स्ववित्त पोषित विभाग, डॉ अन्शु सिंह सेंगर जी ने नवप्रवेशी छात्रों को महाविद्यालय की प्राचार्या एवं मुख्य वक्ता कविशा खुराना विज जी के इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र से आज की उपलब्धियों तक के सफर का उदाहरण दिया।महाविद्यालय के प्रो मंजूलता द्विवेदी, प्रो प्रधान , प्रो प्रत्युष , डॉ अमिताभ तिवारी, डॉ राहुल त्रिवेदी, प्रो महेश चन्द्र झा, डॉ अनिल द्विवेदी, डॉ देवेश शुक्ल, डॉ शशी रानी पाल , डॉ हिमांशु तिवारी, डॉ राघवेन्द्र सिंह, डॉ साधना रानी, प्रो शोभा मिश्रा आदि रहे मौजूद।